<u>संदेश</u>

हमारे संविधान के शिल्पकार बाबासाहब भीमराव रामजी आंबेडकर के जन्मदिवस के अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।

ज्ञान के प्रतीक और विलक्षण प्रतिभा के धनी डॉ. आंबेडकर ने एक शिक्षाविद न्यायविद, अर्थशास्त्री, राजनेता और समाज सुधारक के रूप में प्रतिकूल परिस्थितियों में भी राष्ट्र के कल्याण के लिए निरंतर संघर्ष किया और ज्ञान की अलख जगाई। समाज के वंचित समुदाय को मुख्य धारा में लाने के लिए उनका 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' - का मूल मंत्र समाज के लिए सदैव उपयोगी रहेगा। कानून के शासन में उनकी अडिग आस्था तथा सामाजिक और

आर्थिक समानता के लिए उनकी प्रतिबद्धता हमारे लोकतंत्र का संबल है।

आइए, इस अवसर पर हम सब डॉ. आंबेडकर के आदर्शों और जीवन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें और एक समतामूलक तथा समृद्ध राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ते रहें।

****